राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 224 | जौनपुर | शुक्रवार, 04 अप्रैल 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की वार्षिक समीक्षा बैठक संपन्न

लखनऊ ।(संवाददाता) उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा संचालित दीन दयाल उपाध्याय–ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू–जीकेवाई) की वार्षिक समीक्षा बैठक गुरुवार को मिशन कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता, डॉ. हरिओम ने की। इसमें वित्तीय वर्ष 2024–25 की प्रगति की समीक्षा की गई और 2025–26 की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में प्रमुख सचिव ने निर्देश दिया कि आगामी वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना 15 दिनों के भीतर तैयार कर अंतिम स्वीकृति के लिए प्रस्तुत की जाए, ताकि मिशन के कार्य सुचारू रूप से जारी रह सकें। उन्होंने महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और अधिक से अधिक युवाओं को उच्च गुणवत्ता युक्त कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने पर विशेष जोर दिया।

जिनके मन में राष्ट्र के प्रति निष्ठा नहीं, वे महाकुंभ जैसा आयोजन नहीं कर सकते - योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि जिनके मन में राष्ट्र के प्रति निष्ठा नहीं है, वे महाकुंभ जैसा बड़ा आयोजन नहीं कर सकते। उन्होंने यह भी कहा कि महाकुंभ 2025 ने देश–प्रदेश को बहुत कुछ दिया और इतना बड़ा आयोजन राम भक्त ही कर सकते हैं। यहां श्रृंगवेरपुर धाम में भगवान श्रीराम के प्रिय सखा निषादराज गुह्य के जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "भगवान राम और निषादराज के बीच मित्रता का यह अद्भुत संगम आज फिर देखने को मिल रहा है। वही मित्रता भाजपा और निषाद पार्टी की है।" उन्होंने कहा, "हमारा प्रयागराज अब सामान्य रूप से इलाहाबाद नहीं रहा। अब यह प्रयागराज हो गया है। प्रयागराज का मतलब महामिलन स्थल। जो लोग प्रयागराज की पहचान को छिपाते थे, वे नहीं चाहते थे कि इस पौराणिक नगर को नयी पहचान मिले क्योंकि उनके लिए उनका 'वोटबैंक' महत्वपूर्ण था।" उन्होंने कहा, ''महाकुंभ 2025 ने देश–प्रदेश को बहुत कुछ दिया और इतना बड़ा आयोजन राम भक्त ही कर सकते हैं। जिनके मन में राष्ट्र के प्रति निष्ठा नहीं है, वे महाकुंभ जैसा बड़ा आयोजन नहीं कर सकते।

दुश्मनों के प्रॉक्सी वॉर से निपटने के लिए रहे तैयार – रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने फिर से पुष्टि की कि भारत का प्रतिद्वंद्वी पश्चिमी सीमाओं पर छद्म युद्ध जारी रखे हुए है, साथ ही उन्होंने सीमा पार आतंकवाद का दृढ़ता से जवाब देने के लिए भारतीय सेना की सराहना की। सेना कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद से निपटने में सेना और अन्य सुरक्षा बलों के बीच समन्वय की सराहना की। न्होंने कहा कि मैं जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद के खतरे से निपटने में सीएपीएफध्पुलिस बलों और सेना के बीच उत्कृष्ट तालमेल की सराहना करता हूं। केंद्र शासित प्रदेश में समन्वित अभियान क्षेत्र में स्थिरता बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं और इसे जारी रखना चाहिए। रक्षा मंत्री ने नई दिल्ली में आयोजित सम्मेलन में वरिष्ठ कमांडरों को संबोधित किया, जो 1 से 4 अप्रैल तक चलेगा। वर्ष में दो बार आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में सुरक्षा चुनौतियों, सीमा की स्थिति, आंतरिक सुरक्षा और संगठनात्मक परिवर्तनों का आकलन करने के लिए शीर्ष सैन्य नेतृत्व एकत्रित होता है। इसमे आधुनिकीकरण, रसद, प्रशासन और वैश्विक सुरक्षा विकास के प्रभाव पर भी चर्चा की गई।

सुधारों के वर्ष पर एक ब्रीफिंग के बाद उनका संबोधन तीसरे दिन का मुख्य आकर्षण था। सिंह ने देश के सबसे भरोसेमंद संस्थानों में से एक के रूप में भारतीय सेना की भूमिका पर जोर दिया और सीमाओं की सुरक्षा, आतंकवाद से निपटने और नागरिक अधिकारियों की सहायता करने में इसके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सेना हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

क्या वक्फ बोर्ड है या `भू–माफिया´ बोर्ड मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भरी हुंकार

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को वक्फ बोर्ड पर तीखा हमला करते हुए उस पर भूमि अतिक्रमण का आरोप लगाया और कहा कि सार्वजनिक और ऐतिहासिक स्थलों पर उसके मनमाने दावों को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रयागराज में एक सभा में बोलते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि वक्फ बोर्ड शहरों में भूमि पर निराधार दावे करता रहा है। कुंभ मेले की तैयारियों के दौरान भी उन्होंने घोषणा की कि आयोजन की भूमि उनकी है। हमें पूछना पड़ा – क्या वक्फ बोर्ड भू–माफिया बन गया है? योगी ने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार के तहत इस तरह के अतिक्रमण हटा दिए गए हैं और माफियाओं को उत्तर प्रदेश से बाहर कर दिया गया है। प्रयागराज में निषादराज गुहा जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कुछ लोग नहीं चाहते थे कि प्रयागराज जैसी पौराणिक जगह को उसकी पहचान मिले, क्योंकि उनके लिए उनका वोट बैंक महत्वपूर्ण था। वक्फ के नाम पर उन्होंने प्रयागराज और अन्य शहरों में भी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की थी। जब हम महाकुंभ का आयोजन कर रहे थे, तो वक्फ बोर्ड मनमाने ढंग से बयान दे रहा था कि प्रयागराज में कुंभ की जमीन भी वक्फ की जमीन है। क्या यह वक्फ बोर्ड है या भूमाफिया बोर्ड है?

राहुल ने उठाया एलएसी का मुद्दा, अनुराग ठाकुर ने किया पलटवार, पूछा- चीनी अधिकारियों के साथ सूप पीने वाले लोग कौन थे?

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा चीन द्वारा भारतीय क्षेत्र पर कथित अतिक्रमण का मुद्दा उठाए जाने के बाद उन पर हमला बोला। ठाकुर ने कहा कि जो लोग भारत और चीन के बारे में बात करते हैं, वे चीनियों के साथ सूप पीते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भारत की एक इंच भी जमीन चीन के हाथों नहीं गई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि ऐसे मुद्दों का राजनीतिकरण करने से कुछ हासिल नहीं होगा। जवाब में अनुराग ठाकुर ने पूछा, किसके समय में चीन ने इस क्षेत्र पर कब्जा किया? डोकलाम गति रोध के दौरान चीनी अधिकारियों के साथ सूप पीने वाले लोग कौन थे? राजीव गांधी फाउंडेशन ने चीनियों से पैसे क्यों लिए? ठाकुर ने कहा, ''भारतीय सेना ने चीन को प्रभावी ढंग से जवाब दिया और एक इंच भी जमीन नहीं खोई।'' ठाकुर ने कहा, ''इस तरह के मुद्दे पर राजनीति करने से कुछ हासिल नहीं होगा, लेकिन उन्हें (कांग्रेस को) देश की जनता को अतीत की गलतियों के बारे में जवाब देना होगा।'' उनकी यह प्रतिक्रिया राहुल गांधी द्वारा आज निचले सदन में यह दावा किए जाने के बाद आई है कि चीन ने भारत की 4,000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने यह भी कहा

कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को पत्र लिखा है। गांधी ने कहा, यथास्थिति बनी रहनी चाहिए और हमें अपनी जमीन वापस मिलनी चाहिए। राहुल गांधी ने कहा, यह सर्वविदित तथ्य है कि चीन हमारी 4,000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा किए बैठा है। कुछ समय पहले मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि हमारे विदेश सचिव चीनी राजदूत के साथ केक काट रहे थे।

विपक्ष के नेता गांधी ने कहा, सवाल यह है कि इस क्षेत्र में वास्तव में क्या हो रहा है। उन्होंने कहा, हम सामान्य स्थिति के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन सामान्य स्थिति से पहले यथास्थिति की जरूरत है। हमारी जमीन हमें वापस मिलनी चाहिए। गांधी ने दावा किया, यह भी मेरी जानकारी में आया है कि प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ने चीन को पत्र लिखा है। हम यह जानकारी अपने लोगों से नहीं, बल्कि चीनी राजदूत से प्राप्त कर रहे हैं।

प्रैक्टिसिंग मुस्लिम की पहचान करने के लिए कोई अलग विभाग खोलेगी सरकार

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद सैयद नसीर हुसैन ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा देने और वक्फ संशोधन विधेयक पर गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया। विधेयक पर चर्चा के दौरान राज्यसभा को संबोधित करते हुए हुसैन ने कहा कि यह विधेयक पूरी तरह से झूठ और भाजपा द्वारा गलत सूचना अभियान पर आधारित है। हुसैन ने आरोप लगाया कि आप सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करते हैं और फिर हम पर ध्रुवीकरण करने का आरोप लगाते हैं... यह विधेयक पूरी तरह झूठ पर आधारित है और पिछले छह महीनों में गलत सूचना अभियान चलाया गया है।

भाजपा की फर्जी फैक्ट्री गलत सूचना फैलाने में लगी हुई है। आगे वक्फ संपत्तियों की वैधता का बचाव करते हुए हुसैन ने कहा कि वे संपत्तियां आज भी मौजूद हैं और लंबे समय से उपयोग में हैंय यही उनके वक्फ में होने का सबूत है। उन्होंने सवाल किया, आप सभी के लिए सबूत कैसे मांगेंगे? आप सदियों पुरानी जगहों का सबूत कैसे मांगेंगे? उन्होंने आगे भाजपा पर दंगे भड़काने और वोट बैंक बनाने का आरोप लगाया। हुसैन ने कहा, वे दंगे भड़काने और अपना वोट बैंक बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हुसैन ने सरकार से जानना चाहा कि क्या सरकार 'प्रैक्टिसिंग मुस्लिम' की पहचान करने के लिए कोई अलग विभाग खोलेगी और उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फोटो लगा कर कोई प्रमाणपत्र देगी ? उन्होंने कहा कि इस विधेयक का असली मकसद यह है कि खुद सरकार की नजर वक्फ की जमीन पर लगी हुई है। उन्होंने दावा किया कि सत्तारूढ़ दल अपनी वोट बैंक की राजनीति के लिए यह विधेयक लेकर आया है। हुसैन ने सरकार को चुनौती दी कि विधेयक पर विचार के लिए जो संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित की गयी थी, उसमें आये अधिकतर लोगों ने विधेयक के खिलाफ राय दी। उन्होंने सरकार को चुनौती दी कि जेपीसी और सरकार के पास इस विधेयक को लेकर जो ज्ञापन और दस्तावेज आये, उन्हें सार्वजनिक किया जाए ताकि देश को पता चल सके कि विधेयक के पक्ष में कितने लोगों ने सुझाव दिये और कितने लोगों ने इसका विरोध किया। उपरोक्त जेपीसी के सदस्य हुसैन ने कहा कि समिति की बैठक में विधेयक के प्रावधानों पर विस्तार से विचार विमर्श नहीं किया गया और विपक्ष के सदस्यों की आवाज को दबाया गया। उन्होंने दावा किया कि विपक्षी सदस्यों की किसी भी सिफारिश को जेपीसी रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया।

मुसलमानों के लिए भाजपा की चिंता देखकर जिन्ना को भी शर्म आ जाएगी, उद्धव ठाकरे का सरकार पर तंज

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि संसद में वक्फ बिल पर अपने भाषणों के दौरान केंद्रीय मंत्री अमित शाह और भाजपा सांसदों द्वारा मुसलमानों के बारे में दिखाई गई चिंता पाकिस्तान के संस्थापक मुहम्मद अली जिन्ना को शर्मिंदा कर देगी। भाजपा पर बेबाक हमला करते हुए ठाकरे ने कहा कि तीसरा कार्यकाल हासिल करने के बावजूद भगवा पार्टी राजनीति के लिए हिंदू–मुस्लिम मुद्दों को उठा रही है। ठाकरे ने अपने पूर्व सहयोगी को चुनौती दी कि अगर वह मुसलमानों को नापसंद करते हैं तो अपनी पार्टी के झंडे से हरा रंग हटा दें। भाजपा के झंडे में हरा और केसरिया रंग है और सफेद रंग में कमल बना हुआ है। ठाकरे ने एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि भाजपा और उसके सहयोगियों द्वारा मुसलमानों के प्रति दिखाई गई चिंता मुहम्मद अली जिन्ना को शर्मिंदा कर देगी। यह एक संयोग है कि किरेन

रिजिजू, जिन्होंने कभी गौमांस खाने का समर्थन किया था, ने वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया। वक्फ विधेयक दूसरा बड़ा बदलाव है जिसे भाजपा ने 2019 में ट्रिपल तलाक की प्रथा को गैरकानूनी बनाने के बाद मुस्लिम समुदाय में लागू करने का प्रयास किया है। वक्फ विधेयक पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए, जिसे 12 घंटे की मैराथन बहस के बाद लोकसभा में पारित किया गया, ठाकरे ने कहा कि वह विधेयक का विरोध नहीं कर रहे हैं, बल्कि भाजपा के दोहरे मानदंडों का विरोध कर रहे हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि यह विधेयक भाजपा की जमीन छीनकर अपने उद्योगपति मित्रों को देने की चाल है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने कहा कि मैंने यह नहीं कहा कि मैं विधेयक का समर्थन करता हूं। मैंने विधेयक का विरोध नहीं किया है।

ओवैसी की भाषा बोल रहे हैं उद्धव ठाकरे, बिल को लेकर शिवसेना यूबीटी पर बरसे शिंदे

मुबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे पर वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करने के लिए निशाना साधा और उन पर हिंदुत्व और बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा को त्यागने का आरोप लगाया। मीडिया से बात करते हुए शिंदे ने इसे उनका सबसे बड़ा अपराध बताया। शिंदे ने कहा कि इसका विरोध करके यूबीटी ने अपना असली चेहरा उजागर कर दिया है। यह साबित हो गया है कि उन्होंने हिंदुत्व और बालासाहेब ठाकरे के आदर्शों को पूरी तरह त्याग दिया है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि उद्धव ठाकरे असदुद्दीन ओवैसी की भाषा बोल रहे हैं। वफ्फ बोर्ड को विरोध करके यूबीटी ने अपन असली चेहरा सामना लाया है, यह दुर्भाग्यपुर्ण है। एकनाथ शिंदे ने कहा कि यह 2019 में हुए विश्वासघात से भी बड़ा अपराध है जब उन्होंने (उद्धव ठाकरे ने) बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा को त्यागकर 2019 में कांग्रेस के साथ सरकार बनाई थी। उन्होंने ठाकरे के नेतृत्व की आलोचना करते हुए उन्हें भ्रमित बताया। उन्होंने कहा, उद्धव ठाकरे पूरी तरह से भ्रमित हैं। उन्हें यह भी नहीं पता कि क्या निर्णय लेना है। जब नेतृत्व इस तरह का हो जाता है, तो पार्टी का भविष्य भी अंधकार में होता है। इसके अलावा, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों पर कुछ चुनिंदा लोगों के एकाधिकार को समाप्त करना है, जबकि उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस गरीबों को गरीबी में रखना चाहती है।

मोदी–मोदी के नारों से गूँज उठा बैंकॉक का आसमान

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर थाईलैंड पहुंचे, जहां उपप्रधानमंत्री सूर्या जुंगरुंगरींग किट ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। बैंकॉक के डॉन मुआंग हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री के आगमन पर सिख समुदाय के लोगों ने भांगड़ा किया। इस दौरान बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय के लोग भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने सभी का अभिवादन स्वीकार किया। बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बैंकॉक के गवर्नमेंट हाउस में थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनवात्रा ने स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यहां औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैंकॉक में थाई प्रधानमंत्री शिनावात्रा के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और थाईलैंड की प्रधानमंत्री की मौजूदगी में भारत और थाईलैंड ने डवन्‍ का आदान–प्रदान किया। इस दौरान अपने संबोधन में पीएम ने कहा कि इस खूबसूरत स्वर्ण–भूमि में मेरे और मेरे डेलीगेशन के गर्मजोशी भरे स्वागत और आतिथ्य–सत्कार के लिए मैं प्रधानमंत्री शिनावात्रा का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। उन्होंने कहा कि भारत और थाईलैंड के सदियों पुराने संबंध हमारे गहरे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक सूत्रों से जुड़े हैं। मोदी ने कहा कि बौद्ध धर्म के प्रसार ने हमारे जन–जन को जोड़ा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं थाईलैंड सरकार का आभारी हूँ कि मेरी यात्रा के उप्लक्ष्य में 18वी शताब्दी की 'रामायण' म्यूरल पेंटिंग्स पर आधारित एक विशेष डाक–टिकट जारी किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 28 मार्च को आए भूकंप में हुई जनहानि के लिए मैं भारत के

लोगों की ओर से गहरी संवेदनाएं प्रकट करता हूं। उन्होंने कहा कि हम घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पीएम शिनावात्रा ने अभी मुझे त्रिपिटक भेंट की। बुद्ध–भूमि भारत की ओर से मैंने इसे हाथ जोड़ कर स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि भारत की Act East पॉलिसी और हमारे Indo-Pacific विजन में थाईलैंड का विशेष स्थान है। आज हमने अपने संबंधों को स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप का रूप देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों के बीच 'स्ट्रैटेजिक डायलॉग' स्थापित करने पर भी हमने चर्चा की है। उन्होंने कहा कि हमने भारत के उत्तर–पूर्वी राज्यों और थाईलैंड के बीच tourism, culture, education क्षेत्रों में सहयोग पर बल दिया है। पीएम ने कहा कि आपसी व्यापार, निवेश और इनेपदमेमे के बीच आदान प्रदान बढ़ाने पर हमने बात की। उन्होंने कहा कि MSME, handloom और ींदकपबतंजि में भी सहयोग के लिए समझौते किए गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ASEAN unity और ASEAN Centrality का पूर्ण समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि Indo–Pacific में, Free] open, inclusive and rule–based order का हम दोनों समर्थन करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम विस्तार–वाद नहीं, विकास–वाद की नीति में विश्वास रखते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और थाईलैंड के सदियों पुराने संबंध हमारे गहरे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक सूत्रों से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि बौद्ध धर्म के प्रसार ने हमारे जन–जन को जोड़ा है। अयुत्थया से नालंदा तक विद्वानों का आदान–प्रदान हुआ है। रामायण की कथा थाई लोक–जीवन में रची–बसी है और, संस्कृत–पाली के प्रभाव आज भी भाषाओं और परंपराओं में झलकते हैं।

सम्पादकीय

बुलडोजर से नाइंसाफी

यह पहली बार नहीं है कि देश की शीर्ष अदालत को कहना पड़ा कि कथित अवैध निर्माणों के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई न्याय के नैसर्गिक नियमों का उल्लंघन है। लेकिन ऐसी बलपूर्वक की गई कार्रवाई को असंवैधानिक करार दिए जाने के बावजूद पिछले दिनों उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में बुलडोजर की नाइंसाफी नजर आई। कोर्ट का कहना था कि यह बुलडोजरी अन्याय केवल झुग्गियों व मकानों को ही नहीं गिरा रहा है, बल्कि यह कानून की उचित प्रक्रिया व अनुच्छेद 21 का भी अतिक्रमण है। जो हर नागरिक के जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा की गारंटी देता है। शीर्ष अदालत ने प्रयागराज में घरों को गिराए जाने को अमानवीय और अवैध बताते हुए शहरी विकास प्राधिकरण को प्रत्येक पीड़ित घर के मालिक को दस लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर में अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान घटी उस घटना को तंत्र की संवेदनहीनता बताया जिसमें बुलडोजर द्वारा झोपड़ी गिराए जाने पर एक बालिका अपनी किताबें पकड़कर भाग रही थी। अदालत का कहना था कि तसवीर देश की अंतरात्मा को झकझोर देने वाली है। साथ ही अधिकारियों की मनमानी और असंवेदशीलता को उजागर करती है। कहा गया कि अतिक्रमणकारियों को खुद की स्थिति को स्पष्ट करने का उचित अवसर दिए बिना बुलडोजर से उनके मकान या झोपड़ियों को ध्वस्त करना अन्याय जैसा ही है। जिससे निष्कर्ष निकलता है कि प्रशासन का इरादा अनधिकृत निर्माण को हतोत्साहित करने के बजाय उन्हें सबक सिखाना लगता है। दरअसल, उत्तर प्रदेश में शासन–प्रशासन कथित 'तत्काल न्याय' के बुलडोजर मॉडल को लागू करने में सबसे आगे रहा है। इस विवादास्पद कार्रवाई का बचाव करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री ने कहा था कि कभी–कभी कुछ लोगों को उनकी समझ में आने वाली 'भाषा' में चीजों को समझाने की जरूरत होती है। जिसके मायने यह भी हैं कि ऐसे तत्वों को अदालतों द्वारा उन्हें दोषी या निर्दोष ठहराये जाने का इंतजार किए बिना ही दंडित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि बीते साल नवंबर में, सर्वोच्च न्यायालय ने बुलडोजर के लगातार इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिये कई दिशा–निर्देश दिए थे। इसमें मकान आदि के ध्वस्तीकरण से पंद्रह दिन पहले कब्जाधारियों को सचेत करना भी शामिल था। अदालत ने तो यहां तक चेतावनी दी थी कि निर्देशों का अतिक्रमण करने वाले दोषी अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। उनके खिलाफ मुकदमा चलाया जाएगा। लेकिन इसके बावजूद जमीनी हकीकत में बदलाव नहीं आया। इसमें दो राय नहीं कि सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण के प्रति शून्य–सहिष्णुता का नजरिया जरूरी है। अवैध निर्माण हटाया जाना चाहिए, लेकिन सभी कायदे–कानूनों का पालन भी उतना ही जरूरी है। अदालत मानती रही है कि जल्दबाजी में बुलडोजर का इस्तेमाल असंवैधानिक है और नागरिक अधिकारों का उल्लंघन भी है। जिसकी कानून इजाजत नहीं देता। प्रयागराज व महाराष्ट्र में कई जगह लोगों ने आरोप लगाया कि नोटिस देने के चौबीस घंटों में ही उनके मकान गिरा दिए गए।

ऐसी ही कार्रवाई नागपुर हिंसा के बाद आरोपियों के घर गिराने में की गई। कहा गया कि लोगों को अपील करने का भी मौका नहीं दिया गया। वैसे यह नैसर्गिक न्याय की अवहेलना है कि एक कथित दोषी के कृत्यों की सजा उसके पूरे परिवार को दी जाती है। उस घर में उस व्यक्ति के परिवार के अन्य सदस्य भी रहते हैं। यह विडंबना है कि नागपुर मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बैंच ने आरोपियों की संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगायी थी, लेकिन जब तक आदेश पहुंचा तब तक स्थानीय प्रशासन कार्रवाई कर चुका था। वैसे हकीकत यह भी है कि कोई अवैध निर्माण रातोंरात खड़ा नहीं हो जाता। जब उसका निर्माण होता है तो स्थानीय प्रशासन की नजर उस पर क्यों नहीं जाती। एकाएक ऐसी स्थिति क्यों पैदा हो जाती है कि उसे गिराने की तत्काल जरूरत पड़ती है। फिर तुरत–फुरत बुलडोजर चल जाता है। सवाल यह भी कि हर छोटे–बड़े, धनाढ्य वर्ग, प्रभावशाली नेताओं के अवैध निर्माण पर पीला पंजा क्यों नहीं चलता? निस्संदेह, बुलडोजर की गति राजाश्रय के संरक्षण में ही तेज होती है।

राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी से संकट बरकरार

ज्ञानेन्द्र

बीते दिनों महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने गंगा की स्वच्छता पर सवाल उठाते हुए कहा कि आज देश की कोई नदी ऐसी नहीं है जो स्वच्छ हो और प्रदूषण मुक्त हो। विडम्बना यह है कि इसके बावजूद हम उन्हें स्वच्छ रखने में असफल रहे हैं। गौरतलब है कि गंगा की सफाई का जिम्मा केन्द्र सरकार के सात मंत्रालयों पर है, लेकिन हकीकत यह है कि गंगा अपने मायके से ही प्रदूषित हो रही है। उत्तराखंड सरकार की रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि गंगा कई स्थानों पर जल शोधन संयंत्र से छोड़े गए पानी से ही प्रदूषित है। एनजीटी को भी इस बारे में जानकारी है। यह स्थिति केवल गंगा की नहीं, बल्कि देश की दूसरी नदियों की भी है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, गंगा और यमुना जैसी नदियां कई दशकों से प्रदूषित हैं। परिणामस्वरूप, जलीय जीव संकट में हैं और मानव स्वास्थ्य भी गंभीर खतरे में है। अनियोजित शहरीकरण, बढ़ती आबादी और कारखानों से निकलने वाला गंदा पानी नदियों के अस्तित्व को खतरे में डाल रहा है, साथ ही यह भूमिगत जल को भी प्रदूषित कर रहा है। विज्ञान और पर्यावरण केन्द्र की रिपोर्ट के अनुसार, घरों, फैक्टरियों और संस्थानों से निकलने वाला 72 फीसदी गंदा पानी सीधे नदियों और झीलों में जा रहा है, जिससे पेयजल और अन्य उपयोग के लिए पानी का संकट बढ़ता जा रहा है। एनजीटी की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश में गंगा और उसकी सहायक नदियों में रोजाना 1100 मिलियन लीटर प्रति दिन (एमएलडी) सीवेज गिर रहा है। राज्य में गंगा किनारे बसे जिलों के 225 नाले सीधे नदियों में मिल रहे हैं, जबकि केवल 101 नाले एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) से जुड़े हैं। देश की राजधानी दिल्ली की जीवन रेखा यमुना हजारों करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी गंदे नाले से भी बदतर हालत में है। उसका पानी न केवल लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है, बल्कि वह पर्यावरण के लिए भी हानिकारक है। मौजूदा स्थिति यह है कि नई भाजपा सरकार नये संकल्प और यमुना सफाई के नये एजेंडे के साथ यमुना के पुनरुद्धार और कायाकल्प में जुटी है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी दिल्ली के 16 औद्योगिक क्षेत्रों में एसटीपी की कमी पर हैरानी जताई है और कहा है कि यमुना में बिना ट्रीटमेंट के अपशिष्ट पदार्थ खुलेआम गिराए जा रहे हैं। हकीकत यह है कि यहां एक–तिहाई क्षमता से एसटीपी काम कर रहे हैं और 11 क्लस्टरों के लिए प्लांट ही नहीं हैं। इसके लिए एसटीपी की क्षमता तीन गुना बढ़ानी होगी और निगरानी तंत्र को चौकस करना होगा, तभी कोई बदलाव की उम्मीद की जा सकती है। गौरतलब है कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति यमुना में प्रदूषण के लिए 60 फीसदी जिम्मेदार नजफगढ़ नाले को मानती है। असलियत यह है कि यमुना इतनी प्रदूषित हो चुकी है कि दिल्ली के अंदर और सीमा पर भी उसका जल नहाने लायक नहीं है। आंकड़ों के अनुसार, एक समय देश में करीब 15,000 छोटी–बड़ी नदियां

थीं, जिनमें से 30 फीसदी से ज्यादा आज सूख चुकी हैं। 4500 से ज्यादा छोटी या मंझोली नदियां केवल बारिश के दिनों में बहती हैं, और बाकी आठ–नौ महीनों में वे मृतप्राय रहती हैं। देश की राजधानी दिल्ली की जीवनदायिनी यमुना में बरसात के दिनों में भले जलस्तर बढ़ा रहता है, लेकिन बाकी आठ–नौ महीनों में इसका जलस्तर काफी कम हो जाता है। गर्मी के दिनों में स्थिति और भयावह हो जाती है। यही हालत देश के अन्य राज्यों की छोटी–बड़ी नदियों की है, जहां की नदियों के साथ–साथ झीलों का जलस्तर भी कम हो गया है। उत्तराखंड में पर्यटन के लिए विख्यात नैनीताल की झीलें इसकी जीती–जागती मिसाल हैं, जिनका जलस्तर कम हो रहा है। मध्य भारत की गंगा कहलाने वाली पौराणिक नदी बेतवा की बात करें तो उसके उद्गम स्थल ही सिमट गए हैं। मध्य प्रदेश सरकार ने 2024 में बेतवा के उद्गम स्थल में जल गंगा संवर्धन योजना शुरू करने की घोषणा की थी, लेकिन उसका अभी तक क्रियान्वयन नहीं हुआ है। सवाल यह है कि देश की नदियां साफ क्यों नहीं हो पा रही हैं। इस मामले में जल शक्ति मंत्रालय ने भी स्वीकार किया है कि इसमें सीवेज सिस्टम की खामी अहम कारण है। असलियत में नदियों के किनारे बसे शहरों के सीवेज सिस्टम में सुधार में नाकामी के कारण सीवेज का गंदा पानी सीधे नदियों में गिरकर उन्हें विषाक्त कर रहा है। इसके लिए उन शहरों के नगर निकाय पूरी तरह जिम्मेदार हैं। हालात यह हैं कि कहीं शोधन संयंत्र देखभाल के अभाव में खराब पड़े हैं, कहीं उनकी शोधन क्षमता उतनी नहीं है जितनी होनी चाहिए, कहीं जरूरत के मुताबिक उनकी तादाद बहुत कम है, और कहीं बिजली आपूर्ति समय पर न होने के कारण वे पूरे समय काम नहीं कर पाते। कहीं–कहीं शोधन संयंत्रों से गंदे नाले जोड़े ही नहीं गए हैं, नतीजतन वे सीधे नदियों में गिर रहे हैं। हकीकत में सरकारें और नगर निकाय औद्योगिक रसायनयुक्त अपशिष्ट सीधे नालों या नदियों में गिरने से रोकने में नाकाम हैं। दुखद यह है कि इसके पीछे राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव मुख्य कारण है। इसमें दो राय नहीं कि यदि नदियों को स्वच्छ और निर्मल बनाना है तो लॉकडाउन जैसी सख्ती बरतनी होगी, तभी कुछ बदलाव की उम्मीद की जा सकती है।

माता का मंदिर अपने भक्तों की मनोकामनाओं को पूर्ण करने के लिए विशेष प्रसिद्ध है।

गोरखपुर ब्यूरो चीफ

गोरखपुर मुख्यालय से 45 किलोमीटर दूर राम जानकी मार्ग पर स्थित और उरुवा से मात्र 2 किलोमीटर पश्चिम ग्राम पिपरा(पाण्डेय)खुर्द बुजुर्ग के मुख्य सड़क पर माता महाकाली का अति प्राचीन मंदिर क्षेत्र वासियों के लोगों का आस्था का बहुत बड़ा केंद्र है मंदिर के मुख्य पुजारी अमित कुमार पाण्डेय ग्राम वासी विजय कुमार पाण्डेय अतुल पाण्डेय रामपाल मिश्रा अवधेश पांडेय विकास पाण्डेय रामरेखा पाण्डेय गोरख पांडेय सुरेंद्र पाण्डेय आदि के द्वारा यह बताया गया कि यहां समय–समय पर धार्मिक आयोजन मेला और कथा कराई आदि शुभ मंगल कार्य अक्सर देखने को मिलता है ऐसा कहा जाता है कि यह प्राचीन मंदिर सैकड़ो वर्ष पुराना है तथा इसकी ख्याति भी पूरे क्षेत्र में अति प्रसिद्ध हैं यह हर प्रकार की सिद्धि और मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाली माता का मंदिर अपने भक्तों की मनोकामनाओं को पूर्ण करने के लिए विशेष प्रसिद्ध है यहां अतिथि भक्तों का मनोकामना पूर्ण होता है , आज से सैकड़ों वर्ष पहले इस मुख्य मार्ग पर कोई साधन नहीं था और चारों तरफ जंगल थे बाढ़ के समय में यहां पूरा पानी लगा रहता था इसी बीच गांव के एक ब्राह्मण परिवार इस रास्ते से गुजर रहे थे तभी उनका पर जल युक्त गड्ढे में पड़ा उन्हें आभास हुआ कि कोई शक्ति उनके पैर को पकड़े खींच रही है वह छुड़ाने का अथक प्रयास करते हैं लेकिन असफल रहते हैं तो फिर वह गाली देते हुए कहते हैं कि कौन है जो मेरा पैर पकड़ रहा है तो एक अदृश्य आवाज आती है कि इस गांव पर बहुत भारी संकट आने वाला है और मैं सरजू जी के रास्ते से होते हुए इस जंगल के मध्य में अपना स्थान देना चाहती हूं मैं आदिशक्ति कालिका हूं अगर मुझे स्थान दो तो मैं पूरे सिवान और क्षेत्र की रक्षा करूंगी तथा आप सभी के मनोकामनाओं को पूर्ण करूंगी लेकिन उसे वृद्ध ब्राह्मण व्यक्ति को लगा कि कोई शरारत कर रहा है वह फिर गाली देते हुए पर को छुड़ाकर घर की तरफ निकल गया जिसका दुष्परिणाम यह हुआ कि इस गांव में हैजा और महामारी जैसी जानलेवा बीमारी फैली और लोग वहां रोग से ग्रसित हो मरने लगे एक लाश जलाकर आते तभी दूसरा लाश तैयार रहता और इस प्रकार गांव में लोगों के मरने की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ने लगी लोग उपचार वगैरा भी करवा रहे थे और इधर वैसे अपना घर बार छोड़कर इसी झंझावा स्थान पर ग्राम वासी आश्रय लिए दिव्य शक्ति का प्रकोप समझ कुछ लोग आपस में चर्चा करने लगे तब उस बूढ़े ब्राह्मण को यह याद आया कि आज से कुछ दिन पहले मुझे एक शक्ति ने झझवा के स्थान पर या आभास दिलाया था कि इस गांव में बहुत बड़ी विपदा आने वाली है और मैं कालिका हूं मुझे यहां पर स्थान लेना है और अगर तुम लोग पूजा करो तो यह स्थान सही हो सकता है मैं आदि शक्ति हूं इस गांव के साथ–साथ संपूर्ण क्षेत्र वासियों की भी रक्षा करूंगी और मनोकामनाएं पूर्ण करूंगी आज मुझे यह विदित हो रहा है की हो ना हो आने वाली समस्या का समाधान कहीं ना कहीं उसी स्थान पर है फिर ब्राह्मणों के समूह को बुलाया गया और लोगों ने विचार विमर्श कर उस स्थान पर जाकर पता लगाया तो एक छोटा सा प्राकृतिक पिंड के रूप में वहां पर कुछ निशान बने थे फिर लोगों ने पूजा पाठ के माध्यम से उसे

स्थान को चिन्हित किया और पूजा प्रारंभ की गई तदुपरांत गांव में सुख शांति और समृद्धि का वातावरण पुनः स्थापित हुआ यह आदिशक्ति की ही कृपा थी। प्राचीन विशाल नीम के पेड़ के नीचे कुछ वर्ष पहले वह मंदिर खुले जंगल में आसमान के नीचे स्थित था और लोगों का आस्था का केंद्र बना रहा विगत कुछ वर्षों में लगभग आज से 50 वर्ष पहले माता काली के भक्त शिवलोक वासी दुलारे पाण्डेय के द्वारा पूजा कर माता को प्रसन्न करने की कथा क्षेत्र में काफी प्रचलित है उनके द्वारा बहुत ही अलौकिक और अद्भुत चमत्कार की कहानी क्षेत्रवासी सुनते हैं और धीरे–धीरे यह मंदिर और प्रचलित हुआ और अपनी ख्याति को प्राप्त करते हुए लोगों में इसकी मान्यता , श्रद्धा बढ़ता चला जब माताजी ने दर्शन दिया वह माह चौत्र रामनवमी का था आज भी इन नौ दिनों में कुछ ना कुछ अनोखी घटनाएं घटित होती है, माता को प्रसन्न करने के लिए इंद्राशनी नाच, खपर , कच्चा पक्का धार आदि समर्पित किया जाता हैं, मां काली अपने भक्तों की मनोकामना पूर्ण करती है और तभी से यहां हर वर्ष चौत्र रामनवमी में मेला का आयोजन ग्राम वासियों एवं क्षेत्र वासियों के द्वारा किया जाता है। आज भी इस माता से आस्था रखने वाले भक्तों को मां किसी न किसी रूप में दर्शन देकर उसकी सहायता करती है और आने वाली मुसीबत से सचेत करती है जीवन के हर क्षेत्र में सफलता सिद्धि और ज्ञान प्राप्त करने के लिए यहां बड़ी संख्याओं में छात्र–छात्राओं के द्वारा बसंत पंचमी का कार्यक्रम छठ पूजा का कार्यक्रम आदि बड़े हर्ष के साथ किया जाता है तथा माता काली के पुजारी अमित पाण्डेय और विजय पांडेय के द्वारा आसपास के छोटे–छोटे बच्चों को सनातन धर्म से संबंधित जानकारी शिक्षा योग खेलकूद और पठन–पाठन का कार्यक्रम इस स्थान पर मंदिर संस्था और जन सहयोग के माध्यम से कराया जाता है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता और शांति आज के इस भाग दौड़ वाली जीवन में सभी को एक विशेष शांति, विश्राम और माता की अपरंपार कृपा प्राप्त कराती है।

जल-थल में प्लास्टिक

विनोद

तमाम नये राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय शोध–सर्वेक्षण चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी है। विश्व की कई शोध पत्रिकाओं में छपे शोध–लेख समय–समय पर विभिन्न अध्ययनों के चेताने वाले निष्कर्ष प्रकाशित करते रहते हैं। यह बात अलग है कि कई निष्कर्षों को लेकर विदेशी बाजार व कारोबारियों के लक्ष्य भी होते हैं। चिंता की बात यह भी है कि विकासशील देशों में सरकारें

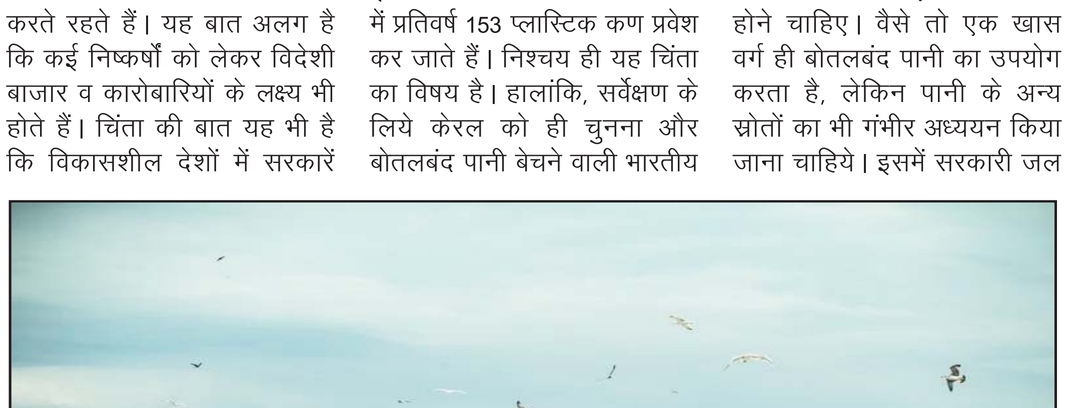

रोटी, कपड़ा व मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के जुगाड़ में लगे रहने और गरीबी की समस्या से जूझते हुए, स्वास्थ्य के उन उच्च गुणवत्ता मानकों को वरीयता नहीं दे पाती, जो अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप हों। ऐसा ही एक अध्ययन जर्मन ब्रिटिश अकादमिक कंपनी स्प्रिंग नेचर द्वारा एक पर्यावरण विषयक पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है।

अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। निश्चय ही यह चिंता का विषय है। हालांकि, सर्वेक्षण के लिये केरल को ही चुनना और बोतलबंद पानी बेचने वाली भारतीय कंपनियों को चुनने को लेकर कई सवाल पैदा हो सकते हैं। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बोतलबंद पानी बेचने का बड़ा प्रतिस्पर्धी कारोबार है। आम आदमी के मन में सवाल उठ सकते हैं कि कहीं भारतीय बोतलबंद पेय बाजार को तो निशाने पर नहीं लिया जा रहा है। दुनिया के बड़े कारोबारी देश भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार पर ललचाई दृष्टि रखते हैं। इसके बावजूद मुद्दा गंभीर है और हमारी सरकारों को अपने स्तर पर गंभीर जांच–पड़ताल करनी चाहिए। इस दिशा में न केवल केरल बल्कि अन्य राज्यों में भी ऐसे ही अध्ययन होने चाहिए। वैसे तो एक खास वर्ग ही बोतलबंद पानी का उपयोग करता है, लेकिन पानी के अन्य स्रोतों का भी गंभीर अध्ययन किया जाना चाहिये। इसमें सरकारी जल आपूर्ति को भी शामिल करना जरूरी है। हमारे जीवन में जहर घोल रहे माइक्रोप्लास्टिक के हवा व पेड़–पौधों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर भी कई अध्ययन सामने आए हैं। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। सर्वविदित है कि देश के नीति–नियंताओं की कार्यस्थली दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी है। कमोबेश देश के कई अन्य शहर भी दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हैं। प्रदूषण के कारण प्लास्टिक कण हमारी जीवन प्रत्याशा को घटा रहे हैं और कैंसर जैसे कई घातक रोग साथ में दे रहे हैं। विडंबना देखिये न तो सरकारें इस गंभीर संकट के प्रति सचेत हैं और न ही अपने स्वास्थ्य के प्रति जनता जागरूक है। वहीं मुफ्त की रेवड़ियों की आस रखने वाले मतदाता इस गंभीर संकट को चुनावी मुद्दा बनाने की बात कभी नहीं करते। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका–जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है।

कृषि क्षेत्र में करवट बदलता भारत

आदित्य

भारत में लगभग 60 प्रतिशत आबादी आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है और अपनी आजीविका के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। जबकि, कृषि क्षेत्र का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान केवल 18 प्रतिशत के आस पास बना हुआ है। इस प्रकार, भारत में यदि गरीबी को जड़ मूल से नष्ट करना है तो कृषि के क्षेत्र में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों को लागू करना ही होगा। भारत ने हालांकि आर्थिक क्षेत्र में पर्याप्त सफलताएं अर्जित की हैं और भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तथा शीघ्र ही अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। साथ ही, भारत आज विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था भी बन गया है। परंतु, इसके आगे की राह अब कठिन है, क्योंकि केवल सेवा क्षेत्र एवं उद्योग क्षेत्र के बल पर और अधिक तेज गति से आगे नहीं बढ़ा जा सकता है और कृषि क्षेत्र में आर्थिक विकास की दर को बढ़ाना होगा। भारत में हालांकि कृषि क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए गए हैं और भारत आज कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन गया है। परंतु, अभी भी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। किसानों के पास पूंजी का अभाव रहता था और वे बहुत ऊंची ब्याज दरों पर महाजनों से ऋण लेते थे और उनके जाल में जीवन भर के लिए फंस जाते थे, परंतु, आज इस समस्या को बहुत बड़ी हद्द तक हल किया जा सका है और किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसान को आसान नियमों के अंतर्गत बैकों से पर्याप्त ऋण की सुविधा उपलब्ध है और इस सुविधा का लाभ आज देश के करोड़ों किसान उठा रहे हैं। दूसरे, इसी संदर्भ में किसान सम्मान निधि योजना भी किसानों के लिए बहुत लाभकारी सिद्ध हो रही है और इस योजना का लाभ भी करोड़ों किसानों को मिल रहा है। इससे किसानों की कृषि सम्बंधी बुनियादी समस्याओं को दूर करने के सफलता मिली है। भारतीय कृषि आज भी मानसून पर निर्भर है। देश के ग्रामीण इलाकों में सिंचाई सुविधाओं का अभाव है। इस समस्या को हल करने के उद्देश्य से भारत सरकार प्रति बूंद अधिक फसल की रणनीति पर काम कर रही है एवं सूक्ष्म सिंचाई पर बल दिया जा रहा है ताकि कृषि के क्षेत्र में पानी के उपयोग को कम किया जा सके तथा जल संरक्षण के साथ सिंचाई की लागत भी कम हो सके। देश में कृषि जोत हेतु पर्याप्त भूमि का अभाव है और देश में सीमांत एवं छोटे किसानों की संख्या करोड़ों की संख्या में हो गई है। जिससे यह किसान किसी तरह अपना और परिवार का भरण पोषण कर पा रहे हैं इनके लिए कृषि लाभ का माध्यम नहीं रह गया है। इन तरह की समस्याओं के हल हेतु अब केंद्र सरकार विभिन्न उत्पादों के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य में, मुद्रा स्फीति को ध्यान में रखकर, वृद्धि करती रहती है, इससे किसानों को अत्यधिक लाभ हो रहा है। भंडारण सुविधाओं (गोदामों एवं कोल्ड स्टोरेज का निर्माण) में पर्याप्त वृद्धि दर्ज हुई है एवं साथ ही परिवहन सुविधाओं में सुधार के चलते किसान कृषि उत्पादों को लाभ की दर पर बेचने में सफल हो रहे है अन्यथा इन सुविधाओं में कमी के चलते किसान अपने कृषि उत्पादों को बाजार में बहुत सस्ते दामों पर बेचने पर मजबूर हुआ करता था। खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना भारी मात्रा में की जा रही है इससे कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिल रहा है एवं कृषि उत्पादों की बर्बादी को रोकने में सफलता मिल रही है। आज भारत में उच्च गुणवत्ता वाले बीजों के उपयोग पर ध्यान दिया जा रहा है ताकि उर्वरकों के उपयोग की आवश्यकता कम हो एवं कृषि उत्पादकता बढ़े। इस संदर्भ में मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना भी किसानों की मदद कर रही है इससे किसान कृषि भूमि पर मिट्टी के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर कृषि उत्पाद कर रहे हैं। राष्ट्रीय कृषि बाजार को स्थापित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि किसान सीधे ही उपभोक्ता को उचित दामों पर अपनी फसल को बेच सके। साथ ही, कृषि फसल बीमा के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि देश में सूखे, अधिक वर्षा, चक्रवात, अतिवृष्टि, अग्नि आदि जैसी प्रकृतिक आपदाओं के चलते प्रभावित हुई फसल के नुक्सान से किसानों को बचाया जा सके। आज करोड़ों की संख्या में किसान फसल बीमा योजना का लाभ उठा रहे हैं। देश में खेती किसानी का काम पूरे वर्ष भर तो रहता नहीं है अतः किसानों के लिए अतिरिक्त आय के साधन निर्मित करने के उद्देश्य से डेयरी, पशुपालन, मधु मक्खी पालन, पोल्ट्री, मत्स्य पालन आदि कृषि सहायक क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया जा रहा है, ताकि किसानों को अतिरिक्त आय की सुविधा मिल सके। विश्व के विभिन्न देशों ने अपनी आर्थिक प्रगति के प्रारम्भिक चरण में कृषि क्षेत्र का ही सहारा लिया है। औद्योगिक क्रांति तो बहुत बाद में आती है इसके पूर्व कृषि क्षेत्र को विकसित अवस्था में पहुंचाना होता है। भारत में भी आज कृषि क्षेत्र, देश की अर्थव्यवस्था का आधार है, जो न केवल खाद्य सुरक्षा प्रदान करता है बल्कि करोड़ों नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर भी निर्मित करता है। साथ ही, औद्योगिक इकाईयों के लिए कच्चा माल भी उपलब्ध कराता है। वैश्विक स्तर पर कृषि क्षेत्र की महत्ता आगे आने वाले समय में भी इसी प्रकार बनी रहेगी क्योंकि इस क्षेत्र से पूरी दुनिया के नागरिकों के लिए भोजन, उद्योग के लिए कच्चा माल एवं रोजगार के अवसर कृषि क्षेत्र से ही निकलते रहेंगे।

कार्यालय ग्राम पंचायत खलीलपुर, विकास खण्ड–सिकरारा, जौनपुर

पत्रांक– मेमो/ग्रा0पं0वि0 दिनांक – 02.04.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/15वां केन्द्रीय वित्त आयोग/ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के लिए निम्निलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 05.04.2025 से 11.04.2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपराह्न दो बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबन्द निविदा जमा कर सकते है जो दिनांक 12.04.2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष पूर्वाह्न 02:00 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म पैड पर होगी।

क्र0सं0	परियोजना का नाम	मात्रा	दर
1	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईट	प्रति हजार	
2	सीमेंट	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू, महीन बालू, गंगा बालू	प्रति घन मी0	
4	स्टोन ब्लास्ट, डाला गिट्टी, पत्थर गिट्टी 20 एम.एम. से 53 एम.एम. तक ईट गिट्टी 20 एम.एम./42एम.एम.	प्रति घन मी0	
5	सरिया विभिन्न साइज	प्रति कुन्तल	
6	करकर/एसबेस्टर सीट,पैनल आयरन, समरसेबुल, बोरिंग प्लेटफार्म सहित	प्रति नग	
7	पैर्क्स ब्लाक ईट/इण्टरलाकिंग ईट/जागजेडा इण्टरलाकिंग ईट	प्रति हजार	
8	सोलर लाईट/विद्युत सामग्री/स्ट्रीट लाईट/हाइमास्क सोलर लाईट	प्रति नग	
9	शौचालय निर्माण सामग्री/पंचायत भवन निर्माण सामग्री		
10	ह्यूम पाइप 150एम.एम. 300एम.एम. 350एम.एम. 600एम.एम. 800एम.एम. NP3	प्रति मी0	
11	ढ़क्कनदार नाली निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आवश्यकतानुसार		
12	गिट्टी की भराई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घन मी0	
13	सफाईकर्मी स्वच्छता किट/सेनेटाइजर,डस्टबीन सहित अन्य संबंधित सामग्री	प्रति नग	
14	कटीला तार एवं ईगल/प्रिकास्ट कंकरीट बेंच	प्रति नग	
15	जिम से संबंधित सामग्री/इण्डिया मार्क–2 हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री/रिबोर	प्रति नग	
16	मैदान के सुन्दरीकरण हेतु घास	प्रति धन मी0	
17	चूना, पेन्ट इत्यादि	प्रति नग	
18	वाल पेटिंग व प्रचार–प्रसार	प्रति वर्ग मी0	
19	विडियो कैमरा, दिशासूचक बोर्ड/पब्लिक अड्रेस सिस्टम,स्कूल के लिए डेक्स व बेंच।	प्रति नग	
20	गौशाला में चूना–चोकर, भूसा, मनरेगा पार्क में खेलकूद, जिम, झूला व अन्य सामग्री।		
21	हैण्डपम्प की निष्प्रयोज्य सामग्री की खुली नीलामी		

प्रतिबन्ध एवं शर्तें– सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद निर्धारित की जायेगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नहीं। सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा 50 रू0 के स्टाम्प पेपर पर बॉण्ड भरना अनिवार्य होगा तदोपरान्त आपूर्ति किया जायेगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य तथा आयकरदाता हो प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. के स्वीकृत दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा में की जानी अनिवार्य होगी। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में चिह्नित होगा।

प्रधान — मनोज यादव

ग्राम पंचायत अधिकारी/ग्राम सचिव — नीरज श्रीवास्तव

कार्यालय ग्राम पंचायत रज्जूपुर, विकास खण्ड–मछलीशहर, जौनपुर

पत्रांक– मेमो/ग्रा0पं0वि0/ दिनांक – 02.04.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/15वां केन्द्रीय वित्त आयोग/ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के लिए निम्निलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 05.04.2025 से 11.04.2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपराह्न दो बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबन्द निविदा जमा कर सकते है जो दिनांक 12.04.2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष पूर्वाह्न 10:00 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म पैड पर होगी।

क्र0सं0	परियोजना का नाम	मात्रा	दर
1	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईट	प्रति हजार	
2	सीमेंट	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू, महीन बालू, गंगा बालू	प्रति घन मी0	
4	स्टोन ब्लास्ट, डाला गिट्टी, पत्थर गिट्टी 20 एम.एम. से 53 एम.एम. तक ईट गिट्टी 20 एम.एम./42एम.एम.	प्रति घन मी0	
5	सरिया विभिन्न साइज	प्रति कुन्तल	
6	करकर/एसबेस्टर सीट,पैनल आयरन, समरसेबुल, बोरिंग प्लेटफार्म सहित	प्रति नग	
7	पैर्क्स ब्लाक ईट/इण्टरलाकिंग ईट/जागजेडा इण्टरलाकिंग ईट	प्रति हजार	
8	सोलर लाईट/विद्युत सामग्री/स्ट्रीट लाईट/हाइमास्क सोलर लाईट	प्रति नग	
9	शौचालय निर्माण सामग्री/पंचायत भवन निर्माण सामग्री		
10	ह्यूम पाइप 150एम.एम. 300एम.एम. 350एम.एम. 600एम.एम. 800एम.एम. NP3	प्रति मी0	
11	ढ़क्कनदार नाली निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आवश्यकतानुसार		
12	गिट्टी की भराई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घन मी0	
13	सफाईकर्मी स्वच्छता किट/सेनेटाइजर,डस्टबीन सहित अन्य संबंधित सामग्री	प्रति नग	
14	कटीला तार एवं ईगल/प्रिकास्ट कंकरीट बेंच	प्रति नग	
15	जिम से संबंधित सामग्री/इण्डिया मार्क–2 हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री/रिबोर	प्रति नग	
16	मैदान के सुन्दरीकरण हेतु घास	प्रति धन मी0	
17	चूना, पेन्ट इत्यादि	प्रति नग	
18	वाल पेटिंग व प्रचार–प्रसार	प्रति वर्ग मी0	
19	विडियो कैमरा, दिशासूचक बोर्ड/पब्लिक अड्रेस सिस्टम,स्कूल के लिए डेक्स व बेंच।	प्रति नग	
20	गौशाला में चूना–चोकर, भूसा, मनरेगा पार्क में खेलकूद, जिम, झूला व अन्य सामग्री।		
21	हैण्डपम्प की निष्प्रयोज्य सामग्री की खुली नीलामी		

प्रतिबन्ध एवं शर्तें– सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद निर्धारित की जायेगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नहीं। सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा 50 रू0 के स्टाम्प पेपर पर बॉण्ड भरना अनिवार्य होगा तदोपरान्त आपूर्ति किया जायेगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य तथा आयकरदाता हो प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. के स्वीकृत दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा में की जानी अनिवार्य होगी। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में चिह्नित होगा।

प्रधान — सौरभ

ग्राम पंचायत अधिकारी/ग्राम सचिव — सौरभ यादव

कार्यालय ग्राम पंचायत जगदीशपुर ता. कुँवरपुर, विकास खण्ड–मछलीशहर, जौनपुर

पत्रांक– मेमो/ग्रा0पं0वि0 दिनांक – 02.04.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

वत्तीय वर्ष 2025–26 में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/15वां केन्द्रीय वित्त आयोग/ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के लिए निम्निलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 05.04.2025 से 11.04.2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपराह्न दो बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबन्द निविदा जमा कर सकते है जो दिनांक 12.04.2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपराह्न 01:00 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म पैड पर होगी।

क्र0सं0	परियोजना का नाम	मात्रा	दर
1	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईट	प्रति हजार	
2	सीमेंट	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू, महीन बालू, गंगा बालू	प्रति घन मी0	
4	स्टोन ब्लास्ट, डाला गिट्टी, पत्थर गिट्टी 20 एम.एम. से 53 एम.एम. तक ईट गिट्टी 20 एम.एम./42एम.एम.	प्रति घन मी0	
5	सरिया विभिन्न साइज	प्रति कुन्तल	
6	करकर/एसबेस्टर सीट,पैनल आयरन, समरसेबुल, बोरिंग प्लेटफार्म सहित	प्रति नग	
7	पैर्क्स ब्लाक ईट/इण्टरलाकिंग ईट/जागजेडा इण्टरलाकिंग ईट	प्रति हजार	
8	सोलर लाईट/विद्युत सामग्री/स्ट्रीट लाईट/हाइमास्क सोलर लाईट	प्रति नग	
9	शौचालय निर्माण सामग्री/पंचायत भवन निर्माण सामग्री		
10	ह्यूम पाइप 150एम.एम. 300एम.एम. 350एम.एम. 600एम.एम. 800एम.एम. NP3	प्रति मी0	
11	ढ़क्कनदार नाली निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आवश्यकतानुसार		
12	गिट्टी की भराई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घन मी0	
13	सफाईकर्मी स्वच्छता किट/सेनेटाइजर,डस्टबीन सहित अन्य संबंधित सामग्री	प्रति नग	
14	कटीला तार एवं ईगल/प्रिकास्ट कंकरीट बेंच	प्रति नग	
15	जिम से संबंधित सामग्री/इण्डिया मार्क–2 हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री/रिबोर	प्रति नग	
16	मैदान के सुन्दरीकरण हेतु घास	प्रति धन मी0	
17	चूना, पेन्ट इत्यादि	प्रति नग	
18	वाल पेटिंग व प्रचार–प्रसार	प्रति वर्ग मी0	
19	विडियो कैमरा, दिशासूचक बोर्ड/पब्लिक अड्रेस सिस्टम,स्कूल के लिए डेक्स व बेंच।	प्रति नग	
20	गौशाला में चूना–चोकर, भूसा, मनरेगा पार्क में खेलकूद, जिम, झूला व अन्य सामग्री।		
21	हैण्डपम्प की निष्प्रयोज्य सामग्री की खुली नीलामी		

प्रतिबन्ध एवं शर्तें– सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद निर्धारित की जायेगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नहीं। सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा 50 रू0 के स्टाम्प पेपर पर बॉण्ड भरना अनिवार्य होगा तदोपरान्त आपूर्ति किया जायेगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य तथा आयकरदाता हो प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. के स्वीकृत दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा में की जानी अनिवार्य होगी। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में चिह्नित होगा।

प्रधान — प्रेम प्रकाश

ग्राम पंचायत अधिकारी/ग्राम सचिव — सौरभ यादव

कार्यालय ग्राम पंचायत सरायबीका, विकास खण्ड–मछलीशहर, जौनपुर

पत्रांक– मेमो/ग्रा0पं0वि0 दिनांक – 02.04.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

वत्तीय वर्ष 2025–26 में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/15वां केन्द्रीय वित्त आयोग/ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के लिए निम्निलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 05.04.2025 से 11.04.2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपराह्न दो बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबन्द निविदा जमा कर सकते है जो दिनांक 12.04.2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपराह्न 04:00 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म पैड पर होगी।

क्र0सं0	परियोजना का नाम	मात्रा	दर
1	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईट	प्रति हजार	
2	सीमेंट	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू, महीन बालू, गंगा बालू	प्रति घन मी0	
4	स्टोन ब्लास्ट, डाला गिट्टी, पत्थर गिट्टी 20 एम.एम. से 53 एम.एम. तक ईट गिट्टी 20 एम.एम./42एम.एम.	प्रति घन मी0	
5	सरिया विभिन्न साइज	प्रति कुन्तल	
6	करकर/एसबेस्टर सीट,पैनल आयरन, समरसेबुल, बोरिंग प्लेटफार्म सहित	प्रति नग	
7	पैर्क्स ब्लाक ईट/इण्टरलाकिंग ईट/जागजेडा इण्टरलाकिंग ईट	प्रति हजार	
8	सोलर लाईट/विद्युत सामग्री/स्ट्रीट लाईट/हाइमास्क सोलर लाईट	प्रति नग	
9	शौचालय निर्माण सामग्री/पंचायत भवन निर्माण सामग्री		
10	ह्यूम पाइप 150एम.एम. 300एम.एम. 350एम.एम. 600एम.एम. 800एम.एम. NP3	प्रति मी0	
11	ढ़क्कनदार नाली निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आवश्यकतानुसार		
12	गिट्टी की भराई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घन मी0	
13	सफाईकर्मी स्वच्छता किट/सेनेटाइजर,डस्टबीन सहित अन्य संबंधित सामग्री	प्रति नग	
14	कटीला तार एवं ईगल/प्रिकास्ट कंकरीट बेंच	प्रति नग	
15	जिम से संबंधित सामग्री/इण्डिया मार्क–2 हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री/रिबोर	प्रति नग	
16	मैदान के सुन्दरीकरण हेतु घास	प्रति धन मी0	
17	चूना, पेन्ट इत्यादि	प्रति नग	
18	वाल पेटिंग व प्रचार–प्रसार	प्रति वर्ग मी0	
19	विडियो कैमरा, दिशासूचक बोर्ड/पब्लिक अड्रेस सिस्टम,स्कूल के लिए डेक्स व बेंच।	प्रति नग	
20	गौशाला में चूना–चोकर, भूसा, मनरेगा पार्क में खेलकूद, जिम, झूला व अन्य सामग्री।		
21	हैण्डपम्प की निष्प्रयोज्य सामग्री की खुली नीलामी		

प्रतिबन्ध एवं शर्तें– सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद निर्धारित की जायेगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नहीं। सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा 50 रू0 के स्टाम्प पेपर पर बॉण्ड भरना अनिवार्य होगा तदोपरान्त आपूर्ति किया जायेगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य तथा आयकरदाता हो प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. के स्वीकृत दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा में की जानी अनिवार्य होगी। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में चिह्नित होगा।

प्रधान — सुदामा देवी

ग्राम पंचायत अधिकारी/ग्राम सचिव — सौरभ यादव

वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पास होने पर जिला प्रशासन अलर्ट, जुम्मे की नमाज को लेकर पुलिस करती रही चक्रमण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वक्फ बोर्ड बिल संशोधन पास होने के बाद उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट जारी किया गया है।

जौनपुर में शुक्रवार को जुमे की नमाज के मद्देनजर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सतर्क रहा। अपर पुलिस अधीक्षक शहर आयुष श्रीवास्तव के नेतृत्व में शहर कोतवाल मिथलेश मिश्रा पुलिस बल के साथ सुबह से ही मस्जिदों के बाहर सड़कों पर तैनात रहा। उन्होंने सभी पुलिस कर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। पुलिस ने किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम किए। जिला कंट्रोल रूम से लगातार स्थिति पर नजर रखी गई। साथ ही सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर भी पुलिस की पैनी नजर रही।जिले के विवादित अटाला मस्जिद बड़ी मस्जिद शेर वाली मस्जिद आदि जगहों पर भारी पुलिस फोर्स तैनात रही। इस मामले में बात करते हुए एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि वक्फ बिल को लेकर पूरा पुलिस बल अलर्ट मोड पर था।सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त के बीच जुमे की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। जिले में कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जा रही है। ड्रोन कैमरों से निगरानी की जा रही है।सभी जगह शांति व्यवस्था कायम है।

डीएम ने किया श्री राम जन्मोत्सव के पोस्टर का विमोचन

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। शुक्रवार को डीएम चन्द्र विजय सिंह ने अयोध्या में 04 व 05 अप्रैल 2025 को आयोजित होने वाले राम जन्मोत्सव 2025 के पोस्टर का विमोचन कलेक्ट्रेट सभागार में किया।उन्होंने बताया कि श्रीराम जन्मोत्सव 2025 का आयोजन दिनांक 05 मार्च तक रामकथा पार्क में किया जायेगा।जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों के साथ साथ मुख्य आकर्षण के तौर पर हस्तशिल्प, फूडकोर्ट, ओडीओपी सहित अन्य स्टॉल प्रदर्शित किये जायेंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि यह आयोजन अयोध्या की धार्मिक गरिमा को और अधिक बढ़ाने के साथ–साथ देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को एक आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करेगा।कार्यक्रम में भजन संध्या, रामलीला मंचन, दीप प्रज्ज्वलन, संत समागम तथा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ होंगी।जन्मोत्सव के सफल आयोजन हेतु जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा, यातायात, जल व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधा एवं अन्य आवश्यक प्रबंधों को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।आयोजन समिति द्वारा पोस्टर के माध्यम से आमजन से आयोजन में सम्मिलित होने की अपील की गई है। श्री राम जन्मोत्सव 2025 अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने व संजोने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम के दौरान मुख्य विकास अधिकारी श्री कृष्ण कुमार सिंह, उप निदेशक पर्यटन राजेन्द्र प्रसाद यादव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी मौजूद रहे।

चौत्र राम नवमी मेला की तैयारियों को लेकर महापौर व नगर आयुक्त ने की समीक्षा बैठक

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। आस्था की डगर पर श्रद्धा निवेदन करने के लिए चौत्र रामनवमी मेले में अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े, इसके लिए नगर निगम ने तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। अयोध्या धाम स्थित जोनल कार्यालय में महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा के साथ समीक्षा बैठक किया।इस दौरान तय किया गया कि सर्वाधिक भीड़ वाले क्षेत्र में श्रृंगारहाट से हनुमानगढ़ी तक श्रद्धालुओं को गर्मी से बचाने के लिए टेंट लगाया जाएगा।

तैयारी बैठक की अध्यक्षता कर रहे महापौर ने कहा कि पूरी दुनिया की नजर राममंदिर के कारण अयोध्या पर है। लाखों श्रद्धालु रामलला का प्रकटोत्सव देखने के लिए यहां आएंगे, इन्हें किसी प्रकार की कठिनाई न हो, इसका ध्यान रखना नगर निगम का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि सफाई, पेयजल, पार्किंग सहित व्यवस्था संबंधी किसी भी प्रकार की खामी नहीं रहनी चाहिए।लापरवाही होने पर अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।नगर आयुक्त महोदय ने रामपथ, धर्म पथ पर लगाए गए स्मार्ट वॉटर कियाक्स की मरम्मत एवं सफाई कल तक कर लेने तथा वहां साइनेज बोर्ड लगाने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि समय से वाटर एटीएम की भी सफाई हो जानी चाहिए। नगर आयुक्त ने हेल्थ एटीएम पर ओआरएस के साथ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश जलकल विभाग के अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि सफाई के लिए बीट वार ड्यूटी लगाकर भंडारा स्थलों एवं रामनवमी मनाने वाले मंदिरों पर सफाई कर्मी तैनात कर दिए जाएं।राममंदिर, कनक भवन समेत प्रमुख मंदिरों से निकलने वाले निर्मालय को पृथक करने के लिए अलग से सफाई कर्मियों की व्यवस्था रहेगी,ताकि निर्मालय का सम्मानजनक निस्तारण किया जा सके। जिन स्थलों पर सार्वजनिक शौचालय नहीं है, वहां मोबाइल टॉयलेट लगाने एवं सफाई कर्मी तैनात करने का भी निर्देश उन्होंने दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि ग्लूकोन–डी पिलाने के लिए लगाए गए स्टॉल पर पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध रहे।पार्किंग स्थल, शौचालय, श्रद्धालुओं के जूता–चप्पल रखने के लिए बनाए गए शू–रैक स्थल के आसपास साइनीज बोर्ड लगाया जाना चाहिए, ताकि किसी को जानकारी के अभाव में भटकना न पड़े।उन्होंने कंट्रोल रूम को 24 घंटे क्रियाशील रखने का भी निर्देश दिया।

नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडेय ने बताया कि बैठक में अपर नगर आयुक्त वागीश कुमार शुक्ल,सुमित कुमार, जोनल अधिकारी अयोध्या धाम अशोक कुमार गुप्त, सहायक अभियंता निर्माण राजपत यादव,सहायक अभियंता जल जय कुमार,मुख्य सफाई एवं खाद्य निरीक्षक अयोध्या धाम राजेश कुमार झा, फैजाबाद कमल कुमार, अवर अभियंता निर्माण अमित जायसवाल,अवर अभियंता जल शशिकला, सफाई निरीक्षक देवी प्रसाद शुक्ला, विजेंद्र वर्मा, राकेश वर्मा आदि मौजूद थे। इस मौके पर इन दोनों अधिकारियों ने बताया कि अयोध्या धाम में मेले के दौरान निकलने वाले कूड़ा–कचरा को हटाने के लिए 86 वाहनों की उपलब्धता रहेगी। इसके साथ ही पांच मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीन, चार लीटर पिकर, घाटों की बेहतर सफाई के लिए प्रेशर वाशर एवं स्क्रबर प्रेशर वाशर आदि की व्यवस्था रहेगी।मेला क्षेत्र में होगी 30 मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था रहेगी।श्रद्धालुओं की भारी संख्या में संभावित आगमन के दृष्टिगत अयोध्या धाम में बनाए गए सामुदायिकध् सार्वजनिक शौचायलयों के अतिरिक्त प्रमुख स्थलों पर केयरटेकर सहित 30 मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था की गई है।132 स्थलों पर स्थाई पेयजल आपूर्ति व्यवस्था,111 स्थलों पर अस्थाई पेयजल आपूर्ति व्यवस्था,995 हैंडपंप पेयजल सेवा के लिए क्रियाशील 332 स्टैंड पोस्ट क्रियाशीलव 30 वॉटर टैंकर मेला क्षेत्र में उपलब्ध रहेंगे।

सी0डी0पी0ओ0 एवं मुख्य सेविका का कारण बताओ नोटिस जारी करने के साथ आंगनवाड़ी कार्यकत्री के विरुद्ध कार्यवाही की जाये- सौम्या गुरूरानी

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)। शासन के निर्देशों के क्रम में आज मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी ने ब्लाक बावन के ग्राम मझरेता के प्राथमिक विद्यालय परिसर में आयोजित ग्राम चौपाल में गांव के जनसामान्य की समस्याओं को सुना गया तथा उनका निस्तारण कराया। चौपाल में उपस्थित 06–07 महिलाओं यथा–आरती देवी,सरितादेवी रूबी ज्योति वर्मा सभी निवासी सौंहा मजरा मझरेता द्वारा शिकायत की गयी कि ग्राम सौंहा के बच्चे जो आंगनवाड़ी केन्द, गौरिया से सम्बद्ध हैं, को पोषाहार उपलब्ध नहीं कराया जाता है। मौके पर उपस्थित मुख्य सेविका सारिका सिंह एवं सी0डी0पी0ओ0 विजय कुमारी द्वारा कतिपय बच्चों के पंजीकरण ही न होने के संबंध में अवगत कराया गया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सी0डी0पी0ओ0 एवं मुख्य सेविका का कारण बताओ नोटिस जारी करने एवं आंगनवाड़ी कार्यकत्री के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देश दिये गये। ग्रामीण चौपाल में कई ग्रामवासियों द्वारा किसान सम्मान निधि प्राप्त न होने, वृद्धावस्था पेंशन एवं विधवा पेंशन प्राप्त न होने के संबंध में अवगत कराया गया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा दिनांक 07–04–2025 को पंचायत भवन मझरेता पर विशेष कैम्प लगाकर, जिसमें कृषि विभाग, सोशल सेक्टर के सभी ब्लाक स्तरीय कर्मचारी उपलब्ध रहकर, किसान सम्मान निधि एवं पेंशन से संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु कैम्प लगाने के निर्देश दिये गये। चौपाल के बाद प्राथमिक विद्यालय मझरेता का निरीक्षण किया,जिसमें कक्षा–कक्षों की पुताई न कराये जाने व एल्मुनियम के भगौना एवं कूकर प्रयोग किए जाने तथा शिक्षण कक्षों में टी0एल0एम0 मटेरियल न पाये जाने पर पर प्रधानाध्यापक सत्येन्द्र कुमार सिंह के विरूद्ध नोटिस जारी कर, उनके विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये साथ ही गत 03 वर्षो में कम्पोजिट ग्रान्ट से कराये गये कार्य एवं व्यय की गयी धनराशि की जॉच समिति गठित कर कराने के निर्देश जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिये गये तब तक माह मार्च, 2025 को उक्त अध्यापक का वेतन बाधित रखने के निर्देश दिये गये। चौपाल एवं निरीक्षण के समय बीडीओ डा0 राम प्रकाश, चिकित्सा अधिकारी डा0 पंकज मिश्रा, पशु चिकित्सा अधिकारी डा0 मोहित सिंह, ग्राम प्रधान मुनेन्द्र कुमार के साथ ही विद्युत, शिक्षा, चकबन्दी,राजस्व,लघु सिंचाई,स्वास्थ्य तथा जल निगम विभाग के अधिकारियों के साथ ही बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

स्वच्छता ही सेवा में अयोध्या को यूपी में तीसरा स्थान

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा के नेतृत्व में लगातार स्वच्छता को लेकर की जा रही पहल का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। राज्य सरकार की श्स्वच्छता ही सेवाश श्रेणी के पुरस्कार में 2024 के लिए अयोध्या नगर निगम को तृतीय श्रेणी हासिल हुई है।इस दौरान चिह्नित 5972 स्थानों को कूड़ामुक्त बनाया गया। शुक्रवार को राजधानी लखनऊ में आयोजित समारोह में प्रदेश सरकार के नगरीय विकास मंत्री एके शर्मा ने अयोध्या नगर निगम के प्रतिनिधि सहायक नगर आयुक्त गुरुप्रसाद पांडेय को प्रमाण पत्र देकर पुरस्कार किया। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडेय ने बताया कि घाटों की स्वच्छता के मामले में अयोध्या ने चौथा स्थान हासिल किया है।उन्होंने बताया कि तीन साल से सफाई व्यवस्था की प्रभावी निगरानी के लिए डेडीकेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर (डीसीसीसी) का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सुबह 5:00 बजे से 8:00 बजे तक सफाई, शौचालय, पेयजल, निर्माण कार्य समेत निगम से जुड़ी सेवाओं का नियमित निरीक्षण कर खामियों को दूर किया जा रहा है। इस दौरान आई 1464 शिकायत में से 1463 का निस्तारण किया गया है। महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने निगम के पुरस्कृत होने पर नगर निगम टीम की सराहना की है।उन्होंने कहा है कि टीम का लक्ष्य इसी तरह निरंतर प्रयास कर पहला स्थान हासिल करना होना चाहिए।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में अपने नेता को जाने कार्यक्रम के अंतर्गत हुआ प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में दिनांक 4 अप्रैल को संसदीय लोकतंत्र अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, लोकसभा सचिवालय के निर्देशानुसार श्अपने नेता को जानेश कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र कल्याण अधिष्ठाता टीम की ओर से श्भारतीय राष्ट्रीय नेताओं के जीवन और योगदानश विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के दौरान मुख्य तौर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता, बीबीएयू , प्रो. नरेंद्र कुमार, डॉ. पवन चौरसिया, डॉ. मोनिका शर्मा एवं डॉ.

शिवशंकर यादव उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता के दौरान लगभग 140 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. नरेंद्र कुमार ने चर्चा के दौरान बताया कि श्अपने नेता को जानेश कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं के मनध् में महानध् भारतीय नेताओं के जीवन और योगदान के बारे में गहन समझ विकसित करना है। साथ ही विश्वविद्यालय स्तर पर कम से कम चयनित दोध् प्रतिभागियों को सांसदों के समक्ष अपना व्यक्तव्य प्रस्तुत करने के लिये आमंत्रित किया जायेगा।

प्रबंधकीय तरीके से कैसे सोचें और कार्य करें विषय पर विशेष व्याख्यान

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। प्रबंधन विज्ञान संस्थान (आई.एम.एस.) ने ष्प्रबंधकीय तरीके से कैसे सोचें और कार्य करेंष विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया। यह विशेष व्याख्यान लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय और लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन विज्ञान संस्थान की ओ.एस.डी. प्रोफेसर विनीता काचर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। आई.एम.एस. के सेमिनार हॉल में मुख्य वक्ता के रूप में इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आई.एम.एस.) काशी विश्वविद्यालय, वाराणसी के निदेशक प्रोफेसर आशीष बाजपेयी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और कुलगीत के साथ हुई। आई.एम.एस. की ओ.एस.डी. प्रोफेसर विनीता काचर ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और स्मृति चिह्न प्रदान किया। उन्होंने प्रबंधकीय तरीके से कार्य करने के तरीके के बारे में बताया। उन्होंने विचार, विचार प्रक्रिया, क्रिया, आदत पर जोर दिया। क्रिया से आदत बनती है, आदत से चरित्र बनता है, प्रबंधन उद्देश्यों से जुड़ा होता है, प्रबंधकों की गुणवत्ता को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने लक्ष्यों के कारण, योग्यता के बारे में बताया जो एक प्रबंधक के पास होना चाहिए जैसे कौशल, तकनीकी कौशल, संचार कौशल, दूरदर्शी विचार और कुछ करने से पहले दो बार सोचना। कार्यक्रम में आईएमएस के संकाय सदस्यों और लखनऊ विश्वविद्यालय के नए परिसर में प्रबंधन के छात्रों ने भाग लिया। छात्र अत्यधिक प्रेरित थे। डॉ. आरती ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और व्याख्यान की सराहना की।

भगवान, भजन एवं भक्त एक दूसरे के पूरक होते हैं – नीलम जी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भगवान, भजन एवं भक्त एक ही माला के कड़ी होते हैं तभी तो भगवान को प्रसन्न करने के लिये भक्त को भजन का सहारा लेना पड़ता है, क्योंकि भगवान के लिये भजन ही सर्वोत्तम माना गया है। उक्त बातें पूजा–पाठ किया गया जिसके बाद मां शारदा मण्डली की महिलाओं ने एक से बढ़कर प्रस्तुति की जिसे सुनकर उपस्थित लोग मंत्र–मुग्ध हो गये। मां शारदा मण्डली में नीलम सिंह के अलावा अंजली चतुर्वेदी, दीपिका शाही, शशि श्रीवास्तव, इन्दिरा, पुष्पा बाधवा, नीलम, संगीता, पारूल चतुर्वेदी, दीपिका, ज्योति,

श्माता की चौकीश नामक देवी जागरण में आध्यात्मिक गुरू मां नीलम जी ने कही। यह आयोजन चौत्र नवरात्रि के पंचमी के दिन नगर के शेखपुर में समाजसेविका मुन्नी देवी के निर्देशन में विदिशा जायसवाल ने आयोजित किया था जहां सैकड़ों महिलाओं ने शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। इसके पहले अग्रदेव भगवान श्री गणेश की वंदना की गयी जिसके बाद मां शारदा मण्डली के कलाकारों द्वारा एक से एक बढ़कर देवी गीत, भजन, पचरा आदि का दौर चला तो उपस्थित सभी लोग भक्ति रस में डुबकी लगाते रहे। तत्पश्चात् आरती के बाद जागरण का समापन हुआ जिसके बाद माता रानी के जयघोष से पूरा वातावरण देवीमय हो गया। इस दौरान विधिकृविधान से माता रानी का वर्षा आदि शामिल रहीं। इस मौके पर आये आगंतुकों का स्वागत विदिशा जायसवाल ने किया। अन्त में मुन्नी देवी जायसवाल ने समस्त आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं वैष्णवी जायसवाल ने सभी को प्रसाद वितरित करके आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर आरती जायसवाल, रीता वर्मा, रागिनी सिंह, सीता देवी, प्रीति गुप्ता, रेखा देवी, वर्षा जायसवाल, मीना जायसवाल, संतोषी पाण्डेय, प्रतिमा तिवारी, रीता जायसवाल, मनीला देवी, सुगन्धा जायसवाल, विवेक वर्मा, अमन अग्रहरि, योगेश जायसवाल, पम्मी, बिम्मी, मिस्टी, सिस्टी, तेज, दृष्टि, पुष्टि, अभियन्त सहित तमाम महिला, पुरूष, युवा आदि उपस्थित रहे।

महिला अभ्यर्थियों को सीधी संविदा परिचालक पर सीधी भर्ती 8 अप्रैल को

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। क्षेत्रीय प्रबन्धक वाराणसी परशुराम पाण्डेय ने अवगत कराया है कि.मुख्यमंत्री जी द्वारा की गयी उद्घोषणा के क्रम में महिला सशक्तिकरण अभियान एंव महिला संसम्मान की दिशा में उ० प्र० परिवहन निगम की भूमिका अग्रणी हो सके जिसके क्रम में विशेष सचिव परिवहन विभाग, उ० प्र० शासन के द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में महिला अभ्यर्थियों को सीधी संविदा परिचालक पर पर अनुबन्ध पत्र के आधार पर आवद्ध किये जाने हेतु रोजगार मेले का आयोजन क्षेत्रीय स्तर पर चौधरी चरण सिंह बस स्टेशन क्षेत्रीय प्रवन्धक कार्यालय कैण्ट वाराणसी में 08 अप्रैल 2025 को 11.00 बजे से 17.00 बजे तक किया जाना प्रस्तावित है। महिला संविदा परिचालक पद हेतु शैक्षिक आर्हता इण्टरमिडिएट उतीर्ण एवं सीसीसी प्रमाण पत्र, न्यूनतम आयु 18 से 40 वर्ष, अनुसूचित जातिध्जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये आयु सीमा में शासनादेश नियमानुसार छूट अनुमन्य होगी। उक्त के अतिरिक्त अधिमानी अर्हता के रूप में एनसीसी–सी प्रमाण पत्र, भारत स्काउट एवं गाईड, संस्था के राज्य पुरस्कार एवं राष्ट्रपति पुरस्कार प्रमाण पत्र धारक महिला अभ्यर्थी को इण्टरमीडिएट में प्राप्त प्राप्तांको पर 5 प्रतिशत वेटेज देते हुये मेरिट का निर्धारण किया जायेगा। एनएसएस प्रमाण पत्र धारक में भी समान कार्यवाही की जायेगी।

मुरादाबाद निवासी बीएसएफ जवान की मौत

मुरादाबाद, संवाददाता। डिलारी क्षेत्र के हौसपुरा निवासी बीएसएफ जवान राकेश सिंह (25) की जम्मू कश्मीर में संदिग्ध हालात में मौत हो गई। बीएसएफ अफसरों ने फोन कर परिवार को निधन की जानकारी दी। उनकी तैनाती कुपवाड़ा जिले के त्रेहगाम में थी। बेटे की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। बृहस्पतिवार दोपहर तक राकेश का पार्थिव शरीर गांव पहुंचने की संभावना है। हौसपुरा गांव निवासी भूप सिंह होमगार्ड हैं। उनके परिवार में पत्नी राजेश्वरी, बड़ा बेटा राजेश सिंह है। छोटे बेटे राकेश सिंह की एक अप्रैल 2021 को बीएसएफ में सिपाही पद पर भर्ती हुई थी। उनकी ड्यूटी जम्मू कश्मीर में चल रही थी। होली की छुट्टी के बाद 17 मार्च को राकेश ड्यूटी पर चले गए थे। पिता भूप सिंह का कहना है कि बुधवार सुबह करीब साढ़े छह बजे उनके बड़े बेटे को जम्मू कश्मीर से बीएसएफ अफसर का फोन आया। उन्होंने बताया कि राकेश सिंह की मौत हो गई है। पिता का कहना है कि उन्हें यह बताया गया कि उनके बेटे ने खुद को गोली मार ली है। सूचना मिलने के बाद से परिवार में कोहराम मचा है। ग्रामीण, रिश्तेदार भी उनके घर पहुंच गए। भूप सिंह ने बताया कि उन्होंने जम्मू कश्मीर आने की बात कही तो बीएसएफ अफसरों ने बताया कि वह पार्थिव शरीर लेकर खुद ही गांव आ रहे हैं। उन्होंने बृहस्पतिवार दोपहर तक आने की जानकारी दी।

साथियों ने सुनी गोली की आवाज

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, 139 बटालियन के कांस्टेबल राकेश कुमार का शव कैंप के भीतर खून से लथपथ मिला। गोली चलने की आवाज सुनाई दी और जैसे ही साथी जवान उस ओर भागे तो उन्होंने जमीन पर जवान को गिरा पाया। पास में ही सर्विस राइफल भी पाई गई। कश्मीर फ्रंटियर बीएसएफ के एक अधिकारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने भी मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि जवान ने सर्विस राइफल से आत्महत्या की है।

जिस दिन ज्वाइनिंग हुई उसी दिन मौत

राकेश सिंह ने एक अप्रैल 2021 को बीएसएफ में ज्वाइनिंग की थी। इसके बाद मध्य प्रदेश के इंदौर में ट्रेनिंग की। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद त्रिपुरा में पोस्टिंग मिली थी। दो साल तक यहां ड्यूटी की। अब एक साल से जम्मू कश्मीर में ड्यूटी चल रही थी। एक अप्रैल की रात में ही उनकी मौत हो गई।

16 फरवरी को आए थे घर

राकेश सिंह के पिता भूप सिंह ने बताया कि नवंबर में बड़े बेटे राजेश की पत्नी ने बेटे को जन्म दिया था। उस समय राकेश घर आना चाहते थे, लेकिन अधिकारी ने छुट्टी नहीं दी थी। 16 फरवरी को 25 दिन की छुट्टी पर वह घर आए थे। 17 मार्च को यहां से चले गए थे। पिता ने बताया कि बड़े बेटे राजेश और बेटी रिंकी कुमारी की शादी हो चुकी है। अब छोटे बेटे राकेश की शादी करने की तैयारी चल रही थी।

जवान की मौत पर संशय

बीएसएफ जवान की मौत कैसे हुई, इसको लेकर संशय बना हुआ है।

पिता का आरोप है कि बेटे को छुट्टी को लेकर एक अधिकारी परेशान कर रहे थे। उससे परेशान होकर ही बेटे ने आत्महत्या की होगी। वहीं एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह का कहना है कि बीएसएफ जवान की मौत की जानकारी मिली है। मौत कैसे हुई है, अभी यह स्पष्ट नहीं है। बीएसएफ के अधिकारी और जवान बृहस्पतिवार को शव लेकर आ रहे हैं। उनके आने के बाद ही मौत का सही कारण पता चल पाएगा।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।